

सिवनी/ पांडुपां

धूमा, कहानी, घंसौर, लखनादौन, उपरा, चौरई, परासिया, जुन्नारदेव, बिहुआ, अमरवाड़ा

अमृत भारत स्टेशनों में प्रदेश के छह स्टेशन शामिल सवारी गाड़ी अलग-अलग, नाम एक से, यात्री हो रहे भ्रमित

गोटेगांव, देशबन्ध। भारतीय रेल को देश की जीवन रेखा माना जाता है, और रेलवे स्टेशन किसी भी शहर की पहचान का केंद्र होते हैं। अधिकतर रेल शहर के बीच-बीच स्थित होते हैं, जहाँ आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियां सजीव रहती हैं। इसलिए स्टेशनों का विकास केवल यात्री सुविधाओं तक सीमित नहीं रहकर, उन्हें स्थानीय विरासत और पहचान से जोड़ना जरूरी है।

प्रधानमंत्री 22 मई को देश भर के 103 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का क्रेंगे उद्घाटन का सफर रिकॉर्ड समय में पूरा हो रहा है और इसके लिए भारतीय रेलवे सराहना की पात्र है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किए जा रहे 1300 से अधिक स्टेशनों में जो 103 स्टेशन अभी बनकर तैयार हुए हैं, उनमें स्थानीय प्रदेश राज्य के छह स्टेशन - कटनी साउथ, श्रीधाम, नर्मदापुरम, शाजापुर, सिवनी और आछां शामिल हैं।

86 करोड़ से अधिक की लागत से विकसित इन स्टेशनों में सौंदर्य, सुविधा और संस्कृति का समन्वय है। इन स्टेशनों पर भव्य प्रवेश द्वारा, आर्कषक फसाड, हाई मास्ट लाइटिंग, आधुनिक प्रतीक्षालय, टिकट काउंटर, मॉर्डन टॉयलेट और दिव्यांगजन के लिए

यह विकास की नई संस्कृति है, जिसमें शिलान्यास से उद्घाटन तक

प्रधानमंत्री 22 मई को देश भर के 103 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का क्रेंगे उद्घाटन

का सफर रिकॉर्ड समय में पूरा हो रहा है और इसके लिए भारतीय रेलवे सराहना की पात्र है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किए जा रहे 1300 से अधिक स्टेशनों में जो 103 स्टेशन अभी बनकर तैयार हुए हैं, उनमें स्थानीय प्रदेश राज्य के छह स्टेशन - कटनी साउथ, श्रीधाम, नर्मदापुरम, शाजापुर, सिवनी और आछां शामिल हैं।

86 करोड़ से अधिक की लागत से विकसित इन स्टेशनों में सौंदर्य, सुविधा और संस्कृति का समन्वय है। इन स्टेशनों पर भव्य प्रवेश द्वारा, आर्कषक फसाड, हाई मास्ट लाइटिंग, आधुनिक प्रतीक्षालय, टिकट काउंटर, मॉर्डन टॉयलेट और दिव्यांगजन के लिए



है। वहाँ, हर स्टेशन पर मध्य प्रदेश की लोक कला, संस्कृति और परंपराओं की साथ-साथ दिव्यांगजन अनुकूल विशेष सुविधाएं, झुङ्कूल प्रतीक्षालय, द्वितीय श्रेणी बैंटिंग हॉल और पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था की गई है। इससे न के बल यात्रा अनुभव बेहतर होगा, बल्कि लोगों को स्टेशन पर समय समाया भी सुखद अनुभव प्रदान करेगा।

यात्रियों के लिए विशेष आर्कषण का केंद्र बना है यह न के बल एक रे लवे स्टेशन का विकास है, बल्कि नरसिंहपुर जिले की सांस्कृतिक, अर्थात् और सामाजिक पहचान को नया आयाम देने वाला कदम भी है। उक्त जनकारी जनसंपर्क अधिकारी पश्चिम मध्य रे लवे, जबलपुर मंडल द्वारा प्रदान की गई है।

भ्रम होने देन भी चूक जाते हैं।

करकबेल, देशबन्ध। पश्चिम मध्य रेल मंडल जबलपुर खंड चलने वाली इटार सी बीना इटार सी विंध्याचल एक्सप्रेस एवं प्रयागराज छिकी इटारसी पैसेंजर ट्रेन के डिब्बों में एक से नाम लिखे होने से यात्री न केवल परेशान होते हैं।

भ्रम होने देन भी चूक जाते हैं। बीना इटार सी विंध्याचल एक्सप्रेस जिसका रुट इटारसी, प्रयागराज, नरसिंहपुर, गोटेगांव, जबलपुर, कटनी, रीटी, दमोह सापां, बीना स्टेशन है। वहाँ एक रे लवे स्टेशन में एक से नाम लिखे होने से यात्री न केवल परेशान होते हैं।

यात्रियों के लिए विशेष आर्कषण का केंद्र बना है यह न के बल एक रे लवे स्टेशन का विकास है, बल्कि नरसिंहपुर जिले की सांस्कृतिक, अर्थात् और सामाजिक पहचान को नया आयाम देने वाला कदम भी है। उक्त जनकारी जनसंपर्क अधिकारी पश्चिम मध्य रे लवे, जबलपुर मंडल द्वारा प्रदान की गई है।



कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, छिकी प्रयागराज है। पर प्रश्न यह है कि ये सवारी गाड़ी अलग-अलग हैं पर ट्रेन में लगे बोर्ड एक ही गाड़ी के लगे हैं।

इस कारण से हमेशा भ्रम में यात्रा करने में मजबूर खबर के माध्यम रे ल विभाग इस ओर गंभीरता से ध्यान दें तो अच्छा रहेगा। नहीं तो यात्रियों की चिंता से क्या सरोकार है।

सार-समाचार

रामजी बाबा की चरण पादकार्म पंदरपुर के लिए रवाना



पिपलानारायवार, देशबन्ध। 19 मई 2025 विदेही श्री संत समर्थ सदगुरु रामजी बाबा देवस्थान, बानाबाकोडा से पावन चरण पादकार्म भक्तिभाव से भजन, संसार, कीर्तन एवं महाप्रसाद के आयोजन के प्रशान्त पंदरपुर नगरी के लिए रवाना हुई। यह शुभ अवसर वैशाख शुद्ध षष्ठी के पावन दिन संपन्न हुआ। रामजी बाबा के बल एक संत नहीं, बल्कि जनमानस के हृदय में प्रेम, सेवा, नामभक्ति और त्याग की अमित छाँव छाँड़ने वाले महान पिंडी श्री संत सदगुरु थे। उनकी स्मृति तोता के मन में अद्यात्म का दीप प्रज्ञवान् पंदरपुर की प्रतीक पादकार्म पंदरपुर की ओर प्रस्थान कर रही है, यह क्षण सम्पूर्ण क्षेत्र एवं गांव के लिए गर्व, राष्ट्रा और भक्ति का संगम हो।

विदेही श्री संत रामजी बाबा के जयोथोग गूँजते रहे और पूरे परिसर में भक्तिरस की गंगा बही। इस पावन चरण के शुभ अवसर पर सुरेण नखाते, नथू रात, चिढ़वा महाराज सरोदे, रामदास नखाते, धनराज सहस्रबूढ़, डॉ राजेंद्र एमदे, राजु जयसवाल, रत्नारंजन डाँगे, राजेंद्र नखाते, अरविंद डाँगे, राजु ढाँगे, राधेश्यम बैंडे, धनराज सरोदे, प्रसांत एमदे, दिलोप चौड़े, पिंटू भाऊ सहस्रबूढ़, गंगाधर सोमकूव, राजु डाँगे एवं गांव के अनेक गणमान्य नागरिक ग्रामवासी, सेवकगण और ऋद्धालू भारी संख्या में उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के लिए नवीन आवेदन आमंत्रित

सिवनी, देशबन्ध। पश्चिम मध्य रेलवे की महाकाशल क्रांति योजना के अंतर्गत कलेक्टर संस्कृति जैन के मार्गदर्शन में जल सरक्षण एवं संवर्धन के लिए विविध गतिविधियां संचालित हैं। इसी कामी के बाद एवं नगर संसाक्षण के लिए विकास कराया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हम गांग का परिषद सिवनी द्वारा जल गंगा संवर्धन अधियान के अंतर्गत कलेक्टर संस्कृति जैन के मार्गदर्शन में जल सरक्षण एवं संवर्धन के लिए विविध गतिविधियां संचालित हैं। इन गतिविधियों के लिए विविध विकास कराया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हम गांग का परिषद सिवनी द्वारा जल गंगा संवर्धन अधियान के अंतर्गत कलेक्टर संस्कृति जैन के मार्गदर्शन में जल सरक्षण एवं संवर्धन के लिए विविध गतिविधियां संचालित हैं। इन गतिविधियों के लिए विविध विकास कराया जा रहा है।

मठ तालाब की साफ-सफाई में जुटे नपा अध्यक्ष व पार्षद

सिवनी, देशबन्ध। जल गंगा संवर्धन अधियान के अंतर्गत कलेक्टर संस्कृति जैन के मार्गदर्शन में जल सरक्षण एवं संवर्धन के लिए विविध गतिविधियां संचालित हैं। इसी कामी के बाद एवं नगर संसाक्षण के लिए विकास कराया जा रहा है।

विविध विकास कराया जा रहा है। इन गतिविधियों के लिए विविध विकास कराया जा रहा है। इन गतिविधियों के लिए विविध विकास कराया जा रहा है। इन गतिविधियों के लिए विविध विकास कराया जा रहा है। इन गतिविधियों के लिए विविध विकास कराया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हम गांग का परिषद सिवनी द्वारा जल गंगा संवर्धन अधियान के अंतर्गत कलेक्टर संस्कृति जैन के मार्गदर्शन में जल सरक्षण एवं संवर्धन के लिए विविध विकास कराया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हम गांग का परिषद सिवनी द्वारा जल गंगा संवर्धन अधियान के अंतर्गत कलेक्टर संस्कृति जैन के मार्गदर्शन में जल सरक्षण एवं संवर्धन के लिए विविध विकास कराया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हम गांग का परिषद सिवनी द्वारा जल गंगा संवर्धन अधियान के अंतर्गत कलेक्टर संस्कृति जैन के मार्गदर्शन में जल सरक्षण एवं संवर्धन के लिए विविध विकास कराया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हम गांग का परिषद सिवनी द्वारा जल गंगा संवर्धन अधियान के अंतर्गत कलेक्टर संस्कृति जैन के मार्गदर्शन में जल सरक्षण एवं संवर्धन के लिए विविध विकास कराया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हम गांग का परिषद सिवनी द्वारा जल गंगा संवर्धन अधियान के अंतर्गत कलेक्टर संस्कृति जैन के मार्गदर्शन में जल सरक्षण एवं संवर्धन के लिए विविध विकास कराया जा रहा है।

उन